B.Ed – 2nd Year **Nakul Sah**

Biological Science **Assistant Professor**

Course- 7 (b)

Importance of Curriculum in the process of education
शिक्षा की प्रकिया में पाठ्यचर्या का महत्व

शिक्षा की प्रकिया में पाठ्यचर्या के महत्व निम्नलिखित हैं :–

1. शिक्षा के उद्देश्यो की प्राप्ति सम्भव (Achievement of the aims of education possible):–

विज्ञान शिक्षा के उद्देश्यो की प्राप्ति के लिए पाठ्यचर्या का निर्माण किया जाता हैं अर्थात शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए पाठ्यचर्या का निर्माण आवश्यक हैं।

2. मनोवैज्ञानिक आवश्यकता (Fullfilment of Psychological):–

व्यक्ति वर्तमान आवश्यकताआ की पूर्ति करने के लिए उन कार्यो को करता हैं जिसमें उसकी रूचि होती है। साथ ही भावी आवश्यकताओं की पूर्ति की संभावना भी बढ़ जाती हैं। पाठ्यचर्या का निर्माण करते समय इन बातों का ध्यान रखा जाता है।

3. समय व शक्ति का सदुपयोग (Proper use of Time & Energy):–

पाठ्यचर्या से अध्यापक और विद्यार्थी दानों के काम निश्चित हो जाते है इससे शिक्षकों को यह पता रहता है कि उन्हे कब, क्या सीखना,सिखाना है। इस प्रकार से शिक्षक व विद्यार्थी दानों ही निश्चित कार्यों को निश्चित समय में पूरा करते है जिससे समय तथा शक्ति का पूर्ण सदुपयोग हो जाता है।

NAKUL KUMAR

4. शिक्षा का स्तर समान रहता है (Uniformity in the standard of education):–

निश्चित पाठ्यक्रम से परे देश में शिक्षा का स्तर एक सा रहता है। यदि पाठ्यचर्या अनिश्चित हाती तो हम शिक्षा स्तर के ऊँचा होने या गिरने के कारणो का पता लगाने में भी असमर्थ रहेंगे।

5. शिक्षा प्रक्रिया का व्यवसायीकरण (Organizaton of education Proces):–

पाठ्यचर्या वह लेखा–जोखा है जिससे स्पष्ट रूप से ज्ञात होता है कि शिक्षा के किस स्तर पर विद्यालयों में विज्ञान विषय में किन क्रियाआ को सम्मिलित किया गया है।

6. पाठ्यचर्या पुस्तका का निर्माण (Preparation of Books possible):–

विज्ञान पाठ्यपुस्तकों का निर्माण पाठ्यचर्या के आधार पर किया जाता है क्योंकि पाठ्यपुस्तकों में उसी सामग्री को समाहित किया जाता है जो किसी स्तर के पाठ्यचर्या के अनुकूल हाती है।

7. मूल्यांकन में आसानी (Eassy Evalution):–

पाठ्यचर्या के निर्धारण से मूल्यांकन भी सम्भव हो पाता है क्योंकि पाठ्यक्रम के अभाव में शिक्षकों के लिये विद्यार्थियों की योग्यताओं का मूल्यांकन भी असम्भव होगा अर्थात बालकों की योग्यताओं का मूल्याकंन पाठ्यचर्या द्वारा आसानी से हो जाता है।

8. बालका का सर्वांगीण विकास (Development of Children):–

विज्ञान पाठ्यचर्या बालका का सर्वांगीण विकास करने मं बहुत मदद करती है। इसमें रूचि और आयु स्तर का ध्यान रखा जाता है।

★★★★★

NAVIN KUMAR